भारत सरकार

रेल मंत्रालय

राज्य सभा

02.02.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 131 का उत्तर

रेल के डिब्बों और ट्रेनों का रूपांतरण

131. श्री मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान कितने शयनयान डिब्बों को वातानुकूलित डिब्बों में परिवर्तित किया गया है, तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान कितने सामान्य डिब्बों को वातानुकूलित डिब्बों में परिवर्तित किया गया है, तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षो के दौरान कितने आरक्षित शयनयान डिब्बों को अनारक्षित डिब्बों में परिवर्तित किया गया है, तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) विगत पांच वर्षों के दौरान कितनी एक्सप्रेस ट्रेनों को यात्री ट्रेनों में परिवर्तित किया गया है, तत्संबंधी वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): स्लीपर और सामान्य श्रेणी के सवारीडिब्बों को वातानुकूल सवारीडिब्बों में बदलने की कोई व्यवस्था नहीं है। इसी प्रकार वातानुकूल सवारीडिब्बे को अवातानुकूल सवारीडिब्बे में बदलने की कोई व्यवस्था नहीं है। मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवाओं के संघटन संबंधी मौजूदा नीति में 22 सवारीडिब्बों वाली रेल गाड़ी में 12 सामान्य और शयनयान अवातानुकूल सवारीडिब्बों और 08 वातानुकूल सवारीडिब्बों की व्यवस्था है, जिसके द्वारा सामान्य और शयनयान अवातानुकूल सवारीडिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान उपलब्ध कराया जा सके। रेलगाड़ियों को चलाने हेतु प्रयुक्त कुल सवारीडिब्बों में से दो-तिहाई अवातानुकूल हैं और एक-तिहाई वातानुकूल हैं। इसके अलावा, भारतीय रेल ने अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी सेवाओं का परिचालन शुरू किया है जो पूरी तरह से अवातानुकूल रेलगाड़ियां हैं जो यात्रियों को उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करती हैं। वर्ष 2019-20 से 2023-24 (30 जनवरी तक) की अवधि के दौरान, 421 यात्री रेलगाड़ी सेवाओं को एक्सप्रेस सेवाओं में बदला गया है।

******